डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निम्बाहेड़ा

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

सत्र: 2022-23

14 सितंबर: हिंदी दिवस

हिंदी विभाग द्वारा 'स्वराज और हिंदी' विषय पर आयोजित विचार सत्र में डॉ. सुशीला लड्ढा ने मुख्य वक्ता के रूप में विचार प्रकट करते हुए कहा कि भारतीय स्वराज को प्राप्त करने में हिंदी का योगदान अभिनव रहा है। इस भाषा ने समस्त भारतीय भाषाओं के मध्य एक सेतु का कार्य किया, जिसका परिणाम यह हुआ कि भारत का स्वाधीनता संग्राम निर्णायक सफलता के साथ पूर्ण हुआ।

कार्यक्रम संयोजक डॉ राजेंद्र कुमार सिंघवी ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष पर आयोजित हिंदी दिवस के उक्त कार्यक्रम में डॉ. लड्ढा ने हिंदी की संवैधानिक शक्तियों से परिचित करवाते हुए इसे भारतीय जन-मन की स्वाभाविक अभिव्यक्ति बताया और स्वाधीनता काल के साहित्य को हिन्दी की विशिष्ट निधि बताया।

विचार सत्र के विषय की प्रस्तावना रखते हुए भगवान साहू ने कहा कि स्वराज से पूर्व और इसके पश्चात हिंदी की व्याप्ति निरंतर गतिमान रही है और आने वाले समय में यह वैश्विक संदर्भों में अपने आपको स्थापित करने की क्षमता रखती है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य इसहाक मोहम्मद ने आजादी के 75 वर्षों के पश्चात भी हिंदी की संपूर्ण भारत में अपेक्षित स्थिति न होने के उत्तरदायी कारकों की पहचान करने पर बल दिया। व्याख्यान पश्चात विद्यार्थियों ने खुली परिचर्चा में भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. एच. एम कोठारी, डॉ. देवाराम, डॉ. अशोक मूलवानी, डॉ. नीलम सेठी, डॉ. शहनाज, डॉ. शेरा बानो, छात्रसंघ अध्यक्ष पंकज शर्मा, महासचिव अजय सिंह राजपूत सहित संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रवेश सूची 2022-23

Akshita Anjana	Bharat Anjana	MA (P) Hindi	OBC
ANNU PURBIA	SHYAM LAL PURBIA	MA (P) Hindi	OBC
Arun Prajapat	Sataynarayan	MA (P) Hindi	OBC
Asha Mali	Naru lal	MA (P) Hindi	OBC
Bhavika Gurnani	Gopal Gurnani	MA (P) Hindi	General
Chanchal Sharma	SUNIL SHARMA	MA (P) Hindi	General
Deepika Chhipa	SHOKIN CHHIPA	MA (P) Hindi	OBC
Devi Lal Regar	Bhagawan Lal	MA (P) Hindi	SC
Dharm Chand Khatik	Ratan Lal Khatik	MA (P) Hindi	SC
Durga Kumari Meena	Ganesh Singh Meena	MA (P) Hindi	ST
Gajanand Meena	Moti Lal Meena	MA (P) Hindi	ST
HEENA DHAKAR	RAMESHWAR LAL DHAKAR	MA (P) Hindi	OBC
Heera Lal Purbiya	GHEESA LAL PURBIYA	MA (P) Hindi	MBC-OBC
Hemlata Dhakad	Madan Lal Dhakad	MA (P) Hindi	OBC
Hitesh Regar	Pyar Chand Regar	MA (P) Hindi	SC
Ishwar Gayari	Gopal Gayari	MA (P) Hindi	MBC-OBC
Jyoti Patidar	Chandra Prakash Paidar	MA (P) Hindi	OBC
KANHAIYA LAL NAYAK	BADRI LAL NAYAK	MA (P) Hindi	SC
Kavita Kumari Jat	Hajari Lal	MA (P) Hindi	OBC
Kavita Kumari Yadav	Sundar Lal	MA (P) Hindi	SC
KIRAN DHAKER	ASHARAM DHAKER	MA (P) Hindi	OBC
Kiran Kalyana	Ghanshyam	MA (P) Hindi	SC
Kiran Kunwer Ranawat	NARWER SINGH RANAWAT	MA (P) Hindi	General
Kiran Regar	Gopal Lal	MA (P) Hindi	SC
KISHAN LAL MEGHWAL	NAND LAL MEGHWAL	MA (P) Hindi	SC
Krishna Kumari Dhaker	Dinesh Chandra Dhaker	MA (P) Hindi	OBC
Kusum Suthar	Bheru Lal Suthar	MA (P) Hindi	OBC
LALITA KUMARI MEENA	UDAI SINGH MEENA	MA (P) Hindi	ST
Lata Kumawat	Bhopraj	MA (P) Hindi	OBC

Lokesh Kumar Nayak	Shyam Lal	MA (P) Hindi	SC
Mohan Lal Prajapat	Udai Lal	MA (P) Hindi	OBC
MUSKAN	BHARAT MENARIYA	MA (P) Hindi	General
Neha Dhobi	Khem Raj Dhobi	MA (P) Hindi	SC
Nikita	Vijendra Sih	MA (P) Hindi	General
Nilofar Bux	Sher Mohammed	MA (P) Hindi	General
Parmila Kumawat	Jasvant Kumawat	MA (P) Hindi	OBC
Payal Salvi	Arjun Lal	MA (P) Hindi	SC
Payal Sharma	SHAMBHU LAL SHARMA	MA (P) Hindi	General
POOJA DHAKER	Ghansyam Dhaker	MA (P) Hindi	OBC
Pooja Gayari	Karu Lal	MA (P) Hindi	MBC-OBC
POOJA KUNWAR PARIHAR	MAHENDRA SINGH PARIHAR	MA (P) Hindi	General
Prahalad Lal Bhil	Sohan Lal Bhil	MA (P) Hindi	ST
PritI BALA PURBIYA	Suresh PURBIYA	MA (P) Hindi	MBC-OBC
Pushkar Meena	Ramesh	MA (P) Hindi	ST
Rachana Gayari	Mansukha Gayari	MA (P) Hindi	MBC-OBC
Radhika Gandharv	Manhor Lal Gandharv	MA (P) Hindi	SC
Rajesh Gurjar	Shri Lal Gurjar	MA (P) Hindi	MBC-OBC
Sangeeta Kumari	Jagdish Prajapat	MA (P) Hindi	OBC
Sangeeta Kumari Meena	Mangi Lal	MA (P) Hindi	ST
Sapana JOSHI	Satyanarayan JOSHI	MA (P) Hindi	General
Seema Prajapat	Gotu Lal	MA (P) Hindi	OBC
Shokin Meghwal	Bherulal Meghwal	MA (P) Hindi	SC
Sita Meena	Kanti Lal Meena	MA (P) Hindi	ST
Sunil Gayari	Bheru Lal	MA (P) Hindi	MBC-OBC
Sunita Patidar	Murli Prasad	MA (P) Hindi	OBC
Tanjum Bano	Aabadi Husain	MA (P) Hindi	OBC
Uday Lal	Devi Lal	MA (P) Hindi	OBC
Vandana Kumari Dhaker	Suresh Chandra Dhaker	MA (P) Hindi	OBC
Vidhya Bhatt	Shyam Lal	MA (P) Hindi	General
AARTI KUNWAR	MOHAN SINGH PANWAR	MA(F) Hindi	General
ARCHANA KUMARI MEENA	SHOBHA LAL MEENA	MA(F) Hindi	ST
ARJUN KUMAWAT	PRAHALAD KUMAWAT	MA(F) Hindi	OBC
ATMA RAM MEGHWAL	PREM CHAND	MA(F) Hindi	SC
BHAVNA CHOUHAN	GUNWANT LAL CHOUHAN	MA(F) Hindi	SC
CHANDA GAMETI	MOHAN LAL GAMETI	MA(F) Hindi	ST
CHANDA GAYARI	BAPU LAL	MA(F) Hindi	OBC
DEEPIKA ANJANA	BHAGIRATH ANJANA	MA(F) Hindi	OBC
DEVI LAL GAYARI	RAJ MAL GAYARI	MA(F) Hindi	OBC
GIRIJA KUMARI DHAKER	SANTOSH KUMAR DHAKER	MA(F) Hindi	OBC
HEM LATA REGAR	JAGDISH REGAR	MA(F) Hindi	SC

JAGRATI PANWAR	RAJENDRA SINGH	MA(F) Hindi	General
KAJAL GOUR	KAILASH CHANDRA GOUR	MA(F) Hindi	General
KIRAN CHAMAR	MANOHAR LAL	MA(F) Hindi	SC
KIRAN KUMARI MEENA	YUGAL KISHOR MEENA	MA(F) Hindi	ST
KOUSHALYA PRAJAPAT	RAM LAL PRAJAPAT	MA(F) Hindi	OBC
LEELA KUMARI	HARI SHANKAR SHARMA	MA(F) Hindi	General
MADHUBALA DHAKER	SHAMBHU LAL DHAKER	MA(F) Hindi	OBC
MAMTA KUMARI GAYARI	SHAMBHU LAL GAYARI	MA(F) Hindi	OBC
MANISHA TOSAWADA	GHANSHYAM TOSAWADA	MA(F) Hindi	SC
MANSI MOCHI	MANGI LAL MOCHI	MA(F) Hindi	SC
MUKESH ERWAL	GANPAT LAL	MA(F) Hindi	SC
MUSHAN GAYARI	BAPU LAL GAYARI	MA(F) Hindi	OBC
NARENDRA KUMAR REGAR	GOPAL LAL REGAR	MA(F) Hindi	SC
NATWAR BHAMBI	BABU LAL BHAMBI	MA(F) Hindi	SC
NIRMALA KUMARI MEGHWAL	BHERU LAL	MA(F) Hindi	SC
PARMILA DHAKER	RADHESHYAM DHAKER	MA(F) Hindi	OBC
pooja astoliya	govind astoliya	MA(F) Hindi	OBC
POOJA REGAR	RATAN LAL	MA(F) Hindi	SC
POOJA SONI	BHARAT SONI	MA(F) Hindi	OBC
POOJA SUTHAR	SHYAM LAL	MA(F) Hindi	OBC
POONAM KUMARI DANGI	SHANTI LAL DANGI	MA(F) Hindi	OBC
PRITI PATIDAR	PUSHKAR LAL	MA(F) Hindi	OBC
PRIYA SAHU	PRAHALAD SAHU	MA(F) Hindi	OBC
RADHA KUMARI THANNA	BIHARI LAL THANNA	MA(F) Hindi	OBC
RADHA PATIDAR	INDRAMAL PATIDAR	MA(F) Hindi	OBC
ramprashad dhakar	prabhu lal	MA(F) Hindi	OBC
RATAN LAL BHEEL	BAGDI RAM BHEEL	MA(F) Hindi	ST
RATAN SINGH	BHAGWAN SINGH	MA(F) Hindi	General
SANTOSH KUMARI ARWAR	GORDHAN LAL	MA(F) Hindi	SC
SANTOSH KUMARI DHAKER	PREM CHAND DHAKER	MA(F) Hindi	OBC
SHAMBHUNATH	LALA NATH	MA(F) Hindi	OBC
SUMAN KUMARI NAYAK	RATAN LAL NAYAK	MA(F) Hindi	SC
SUNIL DHAKER	NIBHAY RAM DHAKER	MA(F) Hindi	OBC
VINOD KUMAR MEENA	RATAN LAL MEENA	MA(F) Hindi	ST
VISHAL JAT	KANWAR LAL	MA(F) Hindi	OBC
VISHNA DHAKER	OM PRAKASH	MA(F) Hindi	OBC

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निम्बाहेड़ा
हिन्दी विभाग
प्रतिवेदन
सत्र: 2021-22

परिसंवाद : राजभाषा हिंदी दिवस
14 सितंबर, 2021

राजभाषा हिंदी दिवस के अवसर पर उपखंड प्रशासन एवं महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा भारतीय समाज एवं हिंदी भाषा विषय पर एक परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. कमल नाहर एवं मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी श्री चंद्रशेखर भंडारी रहे। विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ. राजेंद्र कुमार सिंघवी ने कहा कि राजभाषा के रूप में यद्यपि हिंदी का अपना संवैधानिक अधिकार है, किंतु उससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि यह भाषा भारतीय समाज की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है।

मुख्य वक्ता कुशलेश्वर सिंह ने हिंदी के सामाजिक विकास की पड़ताल करते हुए इसे सर्व धर्म एवं सर्व पंथ के साहित्यिक विकास में योगदान देने वाली ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित किया और बताया कि यही भाषा भारत के वैविध्य को समझने की क्षमता रखती है। डॉ. रवींद्र उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में हिंदी को सांस्कृतिक अंतर्धारा की संवाहक भाषा बताया और कहा कि इसमें भारत की आत्मा निवास करती है।

मुख्य अतिथि श्री चंद्रशेखर भंडारी ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी के राजभाषा स्वरूप को सही ढंग से व्यवहार में उपयोग करने की आवश्यकता है जिससे प्रशासन की जन भागीदारी बढ़ेगी। इसे अनुवाद की नहीं संवाद की भाषा के रूप में स्वीकार करना होगा।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. कमल नाहर ने कहा कि हिंदी को संक्रमण कालीन परिस्थितियों में भी अपना स्वरूप बचाने की आवश्यकता है। केवल संप्रेषण के लिए भाषा का स्वरूप अनावश्यक रूप से परिवर्तित नहीं किया जा सकता।

समारोह में डॉ राजेंद्र कुमार सिंघवी द्वारा लिखित पुस्तक हिंदी आलोचना: निकष एवं प्रतिमान का अतिथियों ने विमोचन किया। परिसंवाद के बाद चर्चा सत्र में भजन जिज्ञासु, प्रद्युम्न श्रीमाली, वाजिद अली वाजिद, मुकुंद सागर भट्ट, रियाज अहमद आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर उपखंड के हिंदी अध्यापक, नगर के साहित्य प्रेमी तथा महाविद्यालय के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। आभार भगवान साहु ने ज्ञापित किया।

हिंदी भाषा भारतीय समाज की स्वाभाविक अभिव्यक्ति

नवज्योति/निम्बाहेड़ा। हिंदी दिवस पर उपखंड प्रशासन एवं महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा भारतीय समाज एवं हिंदी भाषा विषय पर एक परिसंवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. कमल नाहर एवं मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी चंद्रशेखर भंडारी रहे। मुख्य अतिथि चंद्रशेखर भंडारी ने कहा कि हिंदी के राजभाषा स्वरूप को सही ढंग से व्यवहार में उपयोग करने की आवश्यकता है जिससे प्रशासन की जन भागीदारी बढ़ेगी। इसे अनुवाद की नहीं संवाद की भाषा के रूप में स्वीकार करना होगा। डॉ. कमल नाहर ने कहा कि हिंदी को संक्रमण कालीन परिस्थितियों में भी अपना स्वरूप बचाने की आवश्यकता है। केवल संप्रेषण के लिए भाषा का स्वरूप अनावश्यक रूप से परिवर्तित नहीं किया जा सकता। समारोह में डॉ राजेंद्र कुमार सिंघवी द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉ.राजेंद्र कुमार सिंघवी ने कहा कि राजभाषा के रूप में यद्यपि हिंदी का अपना संवैधानिक अधिकार है किंतु उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि यह भाषा भारतीय समाज की स्वाभाविक अभिव्यक्ति है। मुख्य वक्ता कुशलेश्वर सिंह ने हिंदी के सामाजिक विकास की पड़ताल करते हुए इसे सर्व धर्म एवं सर्व पंथ के साहित्यिक विकास में योगदान देने वाली ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित किया और बताया कि यही भाषा भारत के वैविध्य को समझने की क्षमता रखती है। डॉ. रवींद्र उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में हिंदी को सांस्कृतिक अंतर्धारा की संवाहक भाषा बताया और कहा कि इसमें भारत की आत्मा निवास करती है। परिसंवाद के बाद चर्चा सत्र में भजन जिज्ञासु, अनिल सोमानी, प्रद्युम्न श्रीमाली, अरविंद मूंदड़ा, वाजिद अली वाजिद, मुकुंद सागर भट्ट आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर उपखंड के हिंदी अध्यापक, नगर के साहित्य प्रेमी तथा महाविद्यालय के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। आभार भगवान साहू ने ज्ञापित किया।

निम्बाहेड़ा। परिसंवाद कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एसडीएम भंडारी।

वैविध्य से परिपूर्ण हिंदी : श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा मंगलवार को हिंदी दिवस पर राष्ट्रीय स्तर का परिसंवाद आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. माधव हाडा ने हिंदी भाषा को भारतीय एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि हिंदी भाषा ने ना केवल भारत में अपितु सम्पूर्ण विश्व में अपना स्थान बना लिया है। कार्यक्रम के सारस्वत वक्ता मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से हिंदी विभाग के सह आचार्य प्रो नवीन नंदवाना ने बताया कि आज हिंदी सोशल मीडिया आदि माध्यम से संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में जोड़ने का काम कर रही है। संचालन और संयोजन डॉ. आशीषकुमार शर्मा हिंदी विभागाध्यक्ष ने किया, जबकि संरक्षक कैलाश मूंदड़ा ने कहा कि हिंदी राष्ट्रभाषा है। धन्यवाद ज्ञापन डा. मृत्युंजय तिवारी ने किया।

शैलेमल्लिकार्जुनम मंदिर में मनाया जाएगा प्रधानमंत्री का जन्मदिन

ब्यूरो नवज्योति/चित्तौड़गढ़। शैलेमल्लिकार्जुनम मंदिर में 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन मनाया जाएगा। महेश मेहता ने बताया कि नगर के उप नगरीय क्षेत्र सीताराम जी का खेड़ा में स्थित श्री शैलेमल्लिकार्जुनम मंदिर परिसर में प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर विभिन्न आयोजन कर मनाया जाएगा।

विचार-गोष्ठी

5 फरवरी 2022, वसंत पंचमी, निराला जयंती

====

निराला के साहित्यिक व्यक्तित्व में विरुद्धों का अद्भुत सामंजस्य है। उनकी काव्य चेतना में कबीर, तुलसी की परंपरा के साथ आधुनिक विसंगतियों पर तीव्र प्रहर का स्वर रोमांचित करता है। उक्त विचार डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग एवं उपखंड प्रशासन, निंबाहेड़ा द्वारा आयोजित महाप्राण निराला विषयक विचार गोष्ठी में प्रकट हुए।

कार्यक्रम संयोजक डॉ राजेंद्र सिंघवी ने बताया कि वसंत पंचमी के अवसर पर हिंदी के विख्यात साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जन्म दिवस पर आयोजित विचार-सत्र में वक्ता डॉ. महेश तिवारी ने राम की शक्ति पूजा में दार्शनिक पक्ष की चर्चा करते हुए कहा कि यह कृति आधुनिक हिंदी साहित्य का जीवंत दस्तावेज है, जिसमें शक्ति की आराधना के माध्यम से राम असत्य पर विजय प्राप्त करते हैं। यहाँ निराला दर्शन की ग्रंथियों के साथ भी वास्तविकता की भूमि पर उपस्थित है। सरोज- स्मृति के मार्मिक यथार्थ को प्रस्तुत करते हुए वक्ता प्रवीण जोशी ने इसे निराला का आत्मकथ्य कहा, जो हिंदी का एकमात्र शोक गीत है। यह रचना निराला के जीवन संघर्ष को करुण स्वर में प्रकट करती है,जहाँ समकालीन यथार्थ भी उजागर है।

मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी चंद्रशेखर भंडारी ने कहा कि बीसवीं शताब्दी की हिंदी यात्रा में निराला का स्थान विशिष्ट है। उनके काव्य में भाव और अभाव दोनों प्रस्तुत हैं। वह किसी विशेष धारा में बंध कर नहीं रहे और अपने मौलिक विचारों से साहित्य को समृद्ध किया, इसी कारण उनका साहित्य कालजयी है। इससे पूर्व विषय प्रवर्तन करते हुए भगवान साहु ने निराला के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी साहित्यिक यात्रा से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. कमल नाहर ने निराला को हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि बताते हुए उनकी रचनाओं को प्रेरणा का स्रोत बताया।परिचर्चा में एजाज अहमद, घनश्याम मेनारिया, अर्चना धाकड़, डॉ. हस्तीमल कोठारी ने भाग लिया। समारोह में उपखंड क्षेत्र के हिंदी शिक्षक, नगर के साहित्य प्रेमी, महाविद्यालय के संकाय सदस्य एवं हिंदी विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में महाप्राण निराला विषयक विचार-गोष्ठी

महाकवि निराला की वाणी प्रत्येक कालखंड में प्रासंगिक

निम्बाहेड़ा, 5 फरवरी (जसं.)। निराला के साहित्यिक व्यक्तित्व में विरुद्धों का अद्भुत सामंजस्य है। उनकी विराट काव्य चेतना में कबीर, तुलसी की परंपरा के साथ आधुनिक विसंगतियों पर तीव्र प्रहार का स्वर रोमांचित करता है। निराला सांस्कृतिक पुनर्जागरण ...

... अपने मौलिक विचारों से साहित्य को समृद्ध किया, इसी कारण उनका साहित्य कालजयी है। इससे पूर्व विषय प्रवर्तक भगवान साहु ने निराला के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी साहित्यिक यात्रा से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. ...

...ला के साहित्यिक व्यक्तित्व में विरुद्धों का अद्भुत सामंजस्य

विरुद्धों का सामंजस्य है निराला का व्यक्तित...

पत्रिका
लाइव रिपोर्ट
पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

निम्बाहेड़ा. निराला के साहित्यिक व्यक्तित्व में विरुद्धों का अद्भुत ...

प्रवेश सूची 2021-22

AARTI KUNWAR	MOHAN SINGH PANWAR	MA (P) Hindi	General
ANITA PRAJAPAT	AMBA LAL	MA (P) Hindi	OBC
ARCHANA KUMARI MEENA	SHOBHA LAL MEENA	MA (P) Hindi	ST
ARUN KUMAR MEENA	UDAI LAL MEENA	MA (P) Hindi	ST
ATMA RAM MEGHWAL	PREM CHAND	MA (P) Hindi	SC
BHAVNA CHOUHAN	GUNWANT LAL CHOUHAN	MA (P) Hindi	SC
BHERU LAL MEENA	VIJAI RAM MEENA	MA (P) Hindi	ST
CHANDA GAYARI	BAPU LAL	MA (P) Hindi	OBC
DEEPIKA ANJANA	BHAGIRATH ANJANA	MA (P) Hindi	OBC
DEVI LAL GAYARI	RAJ MAL GAYARI	MA (P) Hindi	OBC
GIRIJA KUMARI DHAKER	SANTOSH KUMAR DHAKER	MA (P) Hindi	OBC
GUNVANT LAL MEGHWAL	MOHAN LAL MEGHWAL	MA (P) Hindi	SC
HEM LATA REGAR	JAGDISH REGAR	MA (P) Hindi	SC
JAGRATI PANWAR	RAJENDRA SINGH	MA (P) Hindi	General
JASHODHA	ASHARAM	MA (P) Hindi	OBC
jeevan lal gayari	gopal lal	MA (P) Hindi	OBC
KAJAL GOUR	KAILASH CHANDRA GOUR	MA (P) Hindi	General
KIRAN CHAMAR	MANOHAR LAL	MA (P) Hindi	SC
KIRAN KUMARI MEENA	YUGAL KISHOR MEENA	MA (P) Hindi	ST
KIRAN KUMARI MEGHWAL	NANU RAM	MA (P) Hindi	SC
KISHAN LAL MEGHWAL	NAND LAL MEGHWAL	MA (P) Hindi	SC
KOUSHALYA PRAJAPAT	RAM LAL PRAJAPAT	MA (P) Hindi	OBC
LEELA KUMARI	HARI SHANKAR SHARMA	MA (P) Hindi	General
MADHUBALA DHAKER	SHAMBHU LAL DHAKER	MA (P) Hindi	OBC
MAMTA KUMARI GAYARI	SHAMBHU LAL GAYARI	MA (P) Hindi	OBC
MANISHA TOSAWADA	GHANSHYAM TOSAWADA	MA (P) Hindi	SC
MANSI MOCHI	MANGI LAL MOCHI	MA (P) Hindi	SC
MAYA DHAKER	CHAMPA LAL DHAKER	MA (P) Hindi	OBC
MUKESH ERWAL	GANPAT LAL	MA (P) Hindi	SC
MUSHAN GAYARI	BAPU LAL GAYARI	MA (P) Hindi	OBC
NARENDRA KUMAR REGAR	GOPAL LAL REGAR	MA (P) Hindi	SC
NATWAR BHAMBI	BABU LAL BHAMBI	MA (P) Hindi	SC
NIRMALA KUMARI MEGHWAL	BHERU LAL	MA (P) Hindi	SC
PANKAJ REGAR	KARU LAL	MA (P) Hindi	SC
PARMILA DHAKER	RADHESHYAM DHAKER	MA (P) Hindi	OBC
pooja astoliya	govind astoliya	MA (P) Hindi	OBC
pooja dhaker	shyam lal	MA (P) Hindi	OBC
pooja meghwal	tulasi ram	MA (P) Hindi	SC
POOJA SONI	BHARAT SONI	MA (P) Hindi	OBC
POONAM KUMARI DANGI	SHANTI LAL DANGI	MA (P) Hindi	OBC
PRITI PATIDAR	PUSHKAR LAL	MA (P) Hindi	OBC

PRIYA SAHU	PRAHALAD SAHU	MA (P) Hindi	OBC
RADHA KUMARI THANNA	BIHARI LAL THANNA	MA (P) Hindi	OBC
RADHA PATIDAR	INDRAMAL PATIDAR	MA (P) Hindi	OBC
RAJNANDINI KHATIK	SANTOSH	MA (P) Hindi	SC
ramprashad dhakar	prabhu lal	MA (P) Hindi	OBC
RANI KUMARI MENARIYA	NAND LAL MENARIYA	MA (P) Hindi	General
RATAN SINGH	BHAGWAN SINGH	MA (P) Hindi	General
REETA KUMHAR	SATYANARAYAN KUMHAR	MA (P) Hindi	OBC
REKHA KUMARI VAISHNAV	SHANKER LAL	MA (P) Hindi	OBC
SANTOSH KUMARI ARWAR	GORDHAN LAL	MA (P) Hindi	SC
SANTOSH KUMARI DHAKER	PREM CHAND DHAKER	MA (P) Hindi	OBC
SHAMBHUNATH	LALA NATH	MA (P) Hindi	OBC
SHANTI LAL MEENA	NANU RAM MEENA	MA (P) Hindi	ST
SUMAN KUMARI NAYAK	RATAN LAL NAYAK	MA (P) Hindi	SC
SUNIL DHAKER	NIBHAY RAM DHAKER	MA (P) Hindi	OBC
SURAJMAL MEENA	BABU LAL MEENA	MA (P) Hindi	ST
TEENA KUMAWAT	BHERU LAL KUMAWAT	MA (P) Hindi	OBC
VINOD KUMAR MEENA	RATAN LAL MEENA	MA (P) Hindi	ST
VISHAL JAT	KANWAR LAL	MA (P) Hindi	OBC
ANGOORBALA MEGHWAL	ROSHAN LAL	MA (F) Hindi	SC
ANGURBALA GURJAR	MOHAN LAL	MA (F) Hindi	OBC
ANITA SUTHAR	MOHAN LAL	MA (F) Hindi	OBC
ARJUN KUMAWAT	PRAHALAD KUMAWAT	MA (F) Hindi	OBC
ASHOK KUMAR GAYRI	RAM NARAYAN GAYARI	MA (F) Hindi	OBC
CHANDA GAMETI	MOHAN LAL GAMETI	MA (F) Hindi	ST
GATATRI KUMARI REGAR	CHUNNI LAL	MA (F) Hindi	SC
GAYATRI KANKER	BHERU AL KANKER	MA (F) Hindi	OBC
HITESH KUMAR BHAMBI	RATAN LAL	MA (F) Hindi	SC
JAGDISH NATH YOGI	MOHAN NATH YOGI	MA (F) Hindi	OBC
JAIMALA PATIDAR	KAMLA SHANKAR	MA (F) Hindi	OBC
JAYSHREE CHOUHAN	RAJMAL CHOUHAN	MA (F) Hindi	SC
KALI ARWAR	GORDHAN LAL	MA (F) Hindi	SC
KALPANA KHATIK	BHERULAL KHATIK	MA (F) Hindi	SC
KANCHAN KUMARI DHAKAR	BALU LAL	MA (F) Hindi	OBC
KANHEYA LAL GAYRI	KHEM RAJ GAYRI	MA (F) Hindi	OBC
KOUSHLYA DHAKER	NIRBHAY RAM	MA (F) Hindi	OBC
krishna kumari dhaker	babu lal dhaker	MA (F) Hindi	OBC
LAKSHMI LAL PURBIYA	CHAND MAL PURBIYA	MA (F) Hindi	OBC
LALITA MEGHWAL	PRABHULAL MEGHWAL	MA (F) Hindi	SC
LAXMI KUMARI MEENA	DEVI LAL	MA (F) Hindi	ST
LEELA GAYARI	LAXMINARAYAN	MA (F) Hindi	OBC
MADHU MEENA	NAND LAL	MA (F) Hindi	ST
MONIKA KUMARI PATIDAR	NARENDRA KUMAR PATIDAR	MA (F) Hindi	OBC

NAINA KUMARI BHAMBI	MANMAL BHAMBI	MA (F) Hindi	SC
OJASVINI KHICHI	MUKESH KHICHI	MA (F) Hindi	OBC
PALLAVI TAILOR	KAMLESH	MA (F) Hindi	OBC
POOJA KHATIK	SATYA NARAYAN KHATIK	MA (F) Hindi	SC
POOJA REGAR	RATAN LAL	MA (F) Hindi	SC
POOJA SUTHAR	SHYAM LAL	MA (F) Hindi	OBC
POORAN MEENA	BHANWAR LAL MEENA	MA (F) Hindi	ST
PRAMILA DHAKER	PRABHU LAL DHAKER	MA (F) Hindi	OBC
PRIYANKA KUMARI GARG	BABU LAL GARG	MA (F) Hindi	OBC
RANU SUTHAR	BAGDI RAM SUTHAR	MA (F) Hindi	OBC
RATAN LAL BHEEL	BAGDI RAM BHEEL	MA (F) Hindi	ST
RIZWANA MANSURI	HAKEEM MOHAMMAD	MA (F) Hindi	OBC
SAMANDAR BANJARA	SURAJ MAL	MA (F) Hindi	OBC
SAYDA BEE	ABID KHAN	MA (F) Hindi	General
SHAILI NAHAR	LALIT NAHAR	MA (F) Hindi	General
SHANU SUTHAR	JAMNALAL SUTHAR	MA (F) Hindi	OBC
SHEELA JAT	BABU LAL JAT	MA (F) Hindi	OBC
sonu sen	om prakash	MA (F) Hindi	OBC
SUKHEE JATIYA	CHAGAN LAL	MA (F) Hindi	SC
SUNIL GAYARI	KHEMRAJ GAYARI	MA (F) Hindi	OBC
SUNITA BAIRAGI	BABU BAIRAGI	MA (F) Hindi	OBC
TEENA KHINCHI	MUKESH KHINCHI	MA (F) Hindi	OBC
TULSI REGAR	PRAKASH CHANDRA REGAR	MA (F) Hindi	SC
UMA KUMARI LUHAR	ONKAR LAL LUHAR	MA (F) Hindi	OBC
USHA MALI	JHAMKA LAL	MA (F) Hindi	OBC
VANDANA GUJAR	MOHAN LAL	MA (F) Hindi	OBC
VARSHA BALAI	BHANWAR LAL	MA (F) Hindi	SC
ANITA REGER	PRAKESH CHANDRA	M.A.(F) Hindi	SC
LALIT KUMAR SEN	RADHESHYAM SEN	M.A.(F) Hindi	OBC

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निम्बाहेड़ा

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

सत्र: 2020-21

हिन्दी सप्ताह: 14.09.2020 से 20.09.2020

दिनांक : 14 सितम्बर, 2020 अपराह्न 1.00 बजे
शुभारम्भ समारोह एवं परिसंवाद
डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सभाकक्ष

उपखंड प्रशासन द्वारा आयोजित हिंदी सप्ताह के अंतर्गत डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निंबाहेड़ा में हिंदी का संवैधानिक पक्ष विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। इस समारोह के अध्यक्ष डॉ. कमल नाहर ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि अनिल सोमानी रहे।

मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्र सिंघवी ने अपने वक्तव्य में बताया कि वर्तमान में हिन्दी को संविधान के द्वारा राजभाषा का पद मिला हुआ है, इस हेतु संवैधानिक प्रावधानों व विभिन्न आयोगों की सिफारिशों को क्रियान्वित करने का प्रयत्न हुआ है, किन्तु राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी अभी तक समुचित अधिकार प्राप्त करने के लिए संपूर्ण देश के नागरिकों का मन से समर्थन नहीं मिला है, जो विचारणीय है। उन कारकों का अध्ययन किया जाना चाहिए, जो कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा पद पर अधिष्ठित कर सके। साथ ही देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता का विश्लेषण कर उसकी विशेषताओं का सीमांकन किया जाना अपेक्षित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिन्दी भाषा धीरे-धीरे मानकीकरण की प्रक्रिया से गुजरती हुई अपना स्वरूप स्थिर कर रही है। आज इसका मानक व्याकरण सर्व स्वीकृत है।

हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए मन से समर्थन जरुरीः डॉ. सिंघवी

हिन्दी का संवैधानिक पक्ष विषय पर परिसंवाद का आयोजन

निम्बाहेड़ा, 14 सितम्बर (जसं.)। वर्तमान में हिन्दी को संविधान में राजभाषा का पद मिला हुआ है, इस हेतु संवैधानिक प्रावधानों व विभिन्न आयोगों की सिफारिशों को क्रियान्वित करने का प्रयत्न हुआ है, लेकिन राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी को अभी तक समुचित अधिकार प्राप्त करने के लिए संपूर्ण देश के नागरिकों का मन से समर्थन नहीं मिलना विचारणीय है।

यह बात हिन्दी दिवस के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डॉ. कमल नाहर की अध्यक्षता और अनिल सोमानी के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हिन्दी का संवैधानिक पक्ष विषय पर परिसंवाद कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्र सिंघवी ने अपने उद्बोधन में कही। उन्होंने कहा कि उन कारकों का अध्ययन किया जाना चाहिए, जो कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा पद पर अभिषिक्त कर सके। इसके साथ ही देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता का विश्लेषण कर उसकी विशेषताओं का सीमांकन किया जाना अपेक्षित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिन्दी भाषा धीरे-धीरे मानकीकरण की प्रक्रिया से गुजरती हुई अपना स्वरूप स्थिर कर रही है। आज इसका मानक व्याकरण सर्व स्वीकृत है।

हिंदी के विराट रूप की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुनिया की एक मात्र भाषा है जो सभी भाषाओं का समाहार कर सकती है। यह विश्व की लगभग तीन हजार भाषाओं में अपनी वैज्ञानिक विशिष्टता रखती है। इसकी शब्द सम्पदा विस्तृत है और शब्द शिल्प भी स्थिर हो चुका है। ऐसी स्थिति में हिन्दी का मानक स्वरूप विवेचना का क्षेत्र है, जिससे हिन्दी की वैज्ञानिकता व सर्वग्राह्यता निर्धारित हो सके।

परिसंवाद समारोह में प्रवीण जोशी ने कहा कि वैदिक संस्कृत, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उसके पश्चात् विकसित उपभाषाओं और बोलियों के समुच्चय से हिन्दी का अद्यतन रूप प्रकट हुआ है, जो अद्भुत है। आज हिंदी वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रही है। वैश्विक भाषिक प्रतिमानों के आधार पर हिंदी विश्व में दूसरे पायदान पर है। समारोह अध्यक्ष डॉ कमल नाहर ने हिंदी की विविध बोलियों की चर्चा करते हुए कहा कि आज यह पूरे भारतवर्ष को जोड़ने में एकमात्र सक्षम भाषा है। इसके विकास के अनेक चरण रहे हैं और प्रत्येक चरण में इसका स्वरूप विकसित हुआ है। चर्चा सत्र में उपखंड क्षेत्र के व्याख्याताओं ने भाग लिया तथा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप पर विविध प्रश्नों के माध्यम से स्पष्ट किया। समारोह का संचालन अरविंद मूंदड़ा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय संकाय सदस्य तथा हिंदी विषय को पढ़ाने वाले क्षेत्र के शिक्षक उपस्थित रहे।

हिंदी के विराट रूप की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह दुनिया की एक मात्र भाषा है जो सभी भाषाओं का समाहार कर सकती है। हिन्दी भारोपीय परिवार की प्रमुख भाषा है। यह विश्व की लगभग तीन हजार भाषाओं में अपनी वैज्ञानिक विशिष्टता रखती है।इसकी शब्द सम्पदा विस्तृत है और शब्द शिल्प भी स्थिर हो चुका है। ऐसी स्थिति में हिन्दी का मानक स्वरूप विवेचना का क्षेत्र है, जिससे हिन्दी की वैज्ञानिकता व सर्वग्राह्यता निर्धारित हो सके।

इससे पूर्व विषय प्रवर्तन करते हुए प्रवीण जोशी ने कहा कि वैदिक संस्कृत, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उसके पश्चात् विकसित उपभाषाओं और बोलियों के समुच्चय से हिन्दी का अद्यतन रूप प्रकट हुआ है, जो अद्भुत है। आज हिंदी वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो रही है। वैश्विक भाषिक प्रतिमानों के आधार पर हिंदी विश्व में दूसरे पायदान पर है।

समारोह अध्यक्ष डॉ कमल नाहर ने हिंदी की विविध बोलियों की चर्चा करते हुए कहा कि आज यह पूरे भारतवर्ष को जोड़ने में एकमात्र सक्षम भाषा है। इसके विकास के अनेक चरण रहे हैं और प्रत्येक चरण में इसका स्वरूप विकसित हुआ है। चर्चा सत्र में उपखंड क्षेत्र के व्याख्याताओं ने भाग लिया तथा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप पर विविध प्रश्नों के माध्यम से स्पष्ट किया। समारोह का संचालन अरविंद मूंदड़ा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय संकाय सदस्य तथा हिंदी विषय को पढ़ाने वाले क्षेत्र के शिक्षक उपस्थित रहे।

दिनांक : 15 सितम्बर, 2020
निबंध लेखन प्रतियोगिता : हिन्दी का वर्तमान एवं भविष्य

प्रभारी अधिकारी, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, निम्बाहेड़ा एवं सहप्रभारी श्री अरविन्द भारद्वाज, प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. बड़ोली घाटा के संयोजन में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में महाविद्यालय स्तर एवं विद्यालय स्तर के विद्यार्थियों से 500 शब्दों में लिखित निबंध आमंत्रित किए गए। कुल 27 निबंध प्राप्त हुए। महाविद्यालय स्तर के वर्ग में पूनम धाकड़ ने प्रथम तथा गरिमा सुथार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह विद्यालय वर्ग में नीलम धाकड़ प्रथम तथा सीया धाकड़ द्वितीय रहे। रवीना मेनारिया तथा राजेश्वरी मीणा का चयन सांत्वना पुरस्कार के लिए किया गया। सभी विजेताओं को समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया।

दिनांक : 16 सितम्बर, 2020 अपराह्न 1.00 बजे,
ई-संगोष्ठी : हिन्दी का भाषिक एवं साहित्यिक रूप
गूगल मीट पर

हिंदी सप्ताह अंतर्गत तृतीय दिवस को ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 'हिंदी का भाषिक एवं साहित्यिक स्वरूप' विषय पर उक्त संगोष्ठी गूगल मीट पर आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उपखंड अधिकारी चंद्रशेखर भंडारी ने की। हिन्दी सप्ताह समन्वयक डॉ. राजेन्द्र सिंघवी ने विषय की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए हिंदी के अद्यतन रूप तक विकास की यात्रा से अवगत करवाया।

हिंदी के भाषिक, साहित्यिक स्वरूप पर ई-संगोष्ठी

निम्बाहेड़ा। उपखंड प्रशासन निंबाहेड़ा द्वारा हिंदी सप्ताह अंतर्गत तृतीय दिवस को ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हिंदी का भाषिक एवं साहित्यिक स्वरूप विषय पर उक्त संगोष्ठी गूगल मीट पर आयोजित की गई। अध्यक्षता उपखंड अधिकारी चंद्रशेखर भंडारी ने की। संगोष्ठी समन्वयक डॉ. राजेन्द्र सिंघवी ने विषय की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए हिंदी के अद्यतन रूप तक विकास की यात्रा से अवगत करवाया। अध्यक्षीय उद्बोधन में चंद्रशेखर भंडारी ने कहा कि हिंदी भाषा और साहित्य आज पूरे विश्व में आकर्षण का केंद्र है। हिंदी ही हमारी संवेदना को अभिव्यक्त करने में सक्षम है, क्योंकि यह हमारे दिल की आवाज है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के सहायक आचार्य डॉ. राजकुमार व्यास ने हिंदी की भाषिक संरचना का विवेचन करते हुए बताया कि हिंदी का वर्तमान रूप निरंतर प्रवाह का परिणाम है, जिसका स्त्रोत संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से होकर विविध बोलियों में पल्लवित हुआ है। जोधपुर के वरिष्ठ कथाकार एवं आलोचक डॉ. हरिदास व्यास ने कहा कि विगत शताब्दी से आज तक हिंदी का जो साहित्य विकसित हुआ है, उसमें कथा साहित्य का बड़ा योगदान है। हिंदी के सांस्कृतिक पक्ष को उद्घाटित करते हुए पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुशीला लड्ढा ने हिंदी को भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब बताया, जिसमें प्रकट विचार हमारे सनातन मूल्यों को संरक्षित रखने में सक्षम हैं। प्राचार्य डॉ. कमल नाहर ने कहा कि संतों की विरासत और परंपराओं का हस्तांतरण भारतीय भाषा के माध्यम से ही संभव है, ऐसी स्थिति में हिंदी से बेहतरीन विकल्प कोई और नहीं हो सकता। संगोष्ठी में देश के प्रसिद्ध भाषाविदों, साहित्य चिंतकों, उपखंड क्षेत्र के हिंदी प्राध्यापकों तथा हिंदी प्रेमियों ने भाग लिया। संचालन राजकीय महाविद्यालय के सहआचार्य डॉ. देवाराम ने किया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के सहायक आचार्य डॉ. राजकुमार व्यास ने हिंदी की भाषिक संरचना का विवेचन करते हुए बताया कि हिंदी का वर्तमान रूप निरंतर प्रवाह का परिणाम है, जिसका स्रोत संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से होकर विविध बोलियों में पल्लवित हुआ है। हिंदी की विकास यात्रा में राजस्थानी अवधी, ब्रज, मैथिली, खड़ी बोली आदि का बड़ा योगदान रहा है। इनसे अलग हिंदी का कोई स्वरूप नहीं हो सकता। अतः बोलियों को संरक्षण देते हुए हिंदी का एक निर्धारित मानक रूप हम सभी को स्वीकार होना चाहिए, जिससे यह भाषा अपने को वैश्विक पटल पर स्थापित कर सके।आज हमारे सामने हिंदी का परिष्कृत रूप है और उसका मानक व्याकरण सर्व स्वीकार्य भी है।

हिंदी साहित्य के अभिनव रूप की चर्चा करते हुए जोधपुर के वरिष्ठ कथाकार एवं आलोचक डॉ. हरिदास व्यास ने कहा कि विगत शताब्दी से आज तक हिंदी का जो साहित्य विकसित हुआ है, उसमें कथा साहित्य का बड़ा योगदान है। नवीन शिल्प के साथ जीवन की विसंगतियाँ बहुत अच्छे ढंग से उजागर हुई हैं। गद्य की जो विधा तेजी से गम्भीरता की ओर उन्मुख हुई, उसमें कहानी का स्थान सर्वप्रथम है। इस विधा से मध्यम वर्गीय जीवन की गाथाएँ सामने आई, उसकी पीड़ा को सही ढंग से अभिव्यक्ति मिली है। नई कहानी में जब संवेदना को स्थान नहीं मिला तो, ऐसी कहानियाँ ज्यादा दिन नहीं चली, लेकिन जैसे ही भारतीय परिवेश को स्थान मिला वह लोकप्रिय भी हुई है। प्रेमचंद के बाद अभिनव रूप में आते-आते हिंदी कहानी ने अपना नित नया आकार गढ़ा है। कथा और कथेतर गद्य अब लेखन के केंद्र में आ गया है, जो हिंदी के व्यापक फलक का सूचक है।

इसी तरह हिंदी के सांस्कृतिक पक्ष को उद्घाटित करते हुए पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुशीला लड्ढा ने हिंदी को भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब बताया, जिसमें प्रकट विचार हमारे सनातन मूल्यों को संरक्षित रखने में सक्षम हैं। प्राचार्य डॉ. कमल नाहर ने कहा कि संतों की विरासत और परंपराओं का हस्तांतरण भारतीय भाषा के माध्यम से ही संभव है, ऐसी स्थिति में हिंदी से बेहतरीन विकल्प कोई और नहीं हो सकता।

अध्यक्षीय उद्बोधन में चंद्रशेखर भंडारी ने कहा कि हिंदी भाषा और साहित्य आज पूरे विश्व में आकर्षण का केंद्र है। हिंदी ही हमारी संवेदना को अभिव्यक्त करने में सक्षम है, क्योंकि यह हमारे दिल की आवाज है। हमारा दायित्व है कि हम अपनी भाषा को समृद्ध करें, इसके प्रति लगाव रखें और आने वाली पीढ़ी तक हस्तांतरित करें। अन्यथा चिरकाल से बची हुई हमारी संस्कृति को विलुप्त होते देर नहीं लगेगी। संगोष्ठी में देश के प्रसिद्ध भाषाविदों, साहित्य

चिंतकों, उपखंड क्षेत्र के हिंदी प्राध्यापकों तथा हिंदी प्रेमियों ने भाग लिया। संगोष्ठी का संचालन राजकीय महाविद्यालय के सहआचार्य डॉ. देवाराम ने किया।

दिनांक : 18 सितम्बर, 2020
स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता : समसामयिक विषय पर

श्री अरविन्द मूंदड़ा, प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जावदा II तथा सहप्रभारी श्री नरेश बम्बोरिया, व्याख्याता, रा.उ.मा.वि. केली के संयोजन में उक्त प्रतियोगिता उपखंड क्षेत्र के रचनाकारों के लिए आयोजित की गई। मेल पर रचनाओं को प्राप्त किया गया। कुल 44 रचनाएँ प्राप्त हुई।कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान अलीना मंसूरी ने प्राप्त किया तथा अथर्व त्यागी द्वितीय स्थान पर रहे।वरिष्ठ वर्ग में हंसा स्वर्णकार ने प्रथम और शिखा झा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।रहनुमा बक्शी व वी के त्यागी का चयन सांत्वना पुरस्कार के लिए किया गया। सभी विजेताओं को समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया।

हिंदी सप्ताह का समापन, स्पर्धा के विजेताओं का सम्मान किया

भास्कर संवाददाता | निंबाहेड़ा

हिंदी में भारतीय भाषाओं के शब्दों का समाहार होना समय की मांग है, क्योंकि हिंदी विश्व की वह विलक्षण भाषा है जिसकी शब्दावली में देश-विदेश की अनेक भाषाओं के शब्द सहज और स्वाभाविक रूप से न केवल प्रचलित रहे है, बल्कि उन्हें हिंदी ने अपना मान लिया है। यह बात राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. इंदु शेखर तत्पुरुष ने स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में आयोजित हिंदी सप्ताह के समापन समारोह में कही। समारोह की अध्यक्षता एसडीएम चंद्रशेखर भंडारी ने की।

उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी पूरे देश को जोड़ सकती है। आज यह संपर्क के रूप में एकमात्र भारतीय भाषा है। इसका अपना वैज्ञानिक मानक स्वरूप एवं वैज्ञानिक लिपि है। इसकी क्षमता विश्व की किसी भी भाषा से कम नहीं है। अपनी समाहार शक्ति के बल पर यह भाषा सभी के साथ समन्वय स्थापित करने की क्षमता रखती है। आज हमारे घरों में पुस्तक संस्कृति का अभाव है, इसी कारण हम भाषायी विकृति की ओर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। हिंदी सप्ताह के समन्वयक डॉ. राजेंद्र सिंघवी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में निबंध तथा स्वरचित कविता लेखन के विजेताओं को अतिथियों ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रधानाचार्य अनिल सोमानी ने किया। आभार डॉ. कमल नाहर ने जताया। समारोह में आयोजन समिति से जुड़े हुए प्रवीण जोशी, अरविंद मूंदड़ा, अरविंद भारद्वाज, नरेश बंबोरिया उपस्थित थे।

दिनांक : 20 सितम्बर,2020 अपराह्न 1.00 बजे
समापन समारोह
सभाकक्ष, स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल, निम्बाहेड़ा

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल, निंबाहेड़ा में आयोजित समापन समारोह उपखंड अधिकारी श्री चंद्रशेखर भंडारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. इंदु शेखर तत्पुरुष थे। समारोह के आरम्भ में हिंदी सप्ताह के समन्वयक डॉ राजेंद्र कुमार सिंघवी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि परिसंवाद, ई-संगोष्ठी, व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से उपखण्ड क्षेत्र में हिंदी के प्रति समर्पण भाव का वातावरण बना है और नई प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिला है।

हिंदी में भारतीय भाषाओं के शब्दों का समाहार : डॉ. तत्पुरुष

निम्बाहेड़ा। हिंदी में भारतीय भाषाओं के शब्दों का समाहार होना समय की मांग है, क्योंकि हिंदी विश्व की वह विलक्षण भाषा है जिसकी शब्दावली में देश-विदेश की अनेक भाषाओं के शब्द सहज औरस्वाभाविक रूप से न केवल प्रचलित रहे हैं, बल्कि उन्हें हिंदी ने अपना मान लिया है। उक्त विचार राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. इंदु शेखर तत्पुरुष ने निम्बाहेड़ा उपखंड प्रशासन द्वारा स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में आयोजित समापन समारोह में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संज्ञा और विशेषण के रूप में जब इन शब्दों का प्रयोग किया जाता है और क्रियापद हिंदी का रहता है, तब उसकी छटा देखते ही बनती है। हिंदी की इसी समाहार शक्ति ने इसके स्वरूप को विस्तृत फलक पर स्थापित किया है। समारोह के अध्यक्ष उपखंड अधिकारी भंडारी ने कहा कि हिंदी पूरे भारत को जोड़ सकती है आज यह संपर्क के रूप में एकमात्र भारतीय भाषा है इसका अपना वैज्ञानिक मानक स्वरूप है, वैज्ञानिक लिपि है और इसकी क्षमता विश्व के किसी भी भाषा से कम नहीं है। इससे पूर्व हिंदी सप्ताह के समन्वयक डॉ राजेंद्र सिंघवी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि परिसंवाद, ई-संगोष्ठी, व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से उपखंड क्षेत्र में हिंदी के प्रति समर्पण भाव का वातावरण बना है और नई प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिला है। समारोह में निबंध तथा स्वरचित कविता लेखन के विजेताओं को अतिथियों ने प्रशंसा पत्र एवं पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया। संयोजन प्रधानाचार्य अनिल सोमानी ने किया। आभार डॉ. कमल नाहर ने ज्ञापित किया। समारोह में प्रवीण जोशी, अरविंद मूंदड़ा, अरविंद भारद्वाज, नरेश बंबोरिया सहित उपखंड क्षेत्र के हिंदी विषय के अध्यापक एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

'हिन्दी की समाहार शक्ति' विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए डॉ. राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. इंदु शेखर 'तत्पुरुष' ने कहा कि हिंदी में भारतीय भाषाओं के शब्दों का समाहार होना समय की मांग है, क्योंकि हिंदी विश्व की वह विलक्षण भाषा है जिसकी शब्दावली में देश-विदेश की अनेक भाषाओं के शब्द सहज और स्वाभाविक रूप से न केवल प्रचलित रहे हैं, बल्कि उन्हें हिंदी ने अपना मान लिया है। अब यदि भारतीय विचारों को परम्परा का संवाहक बनाना है तो भारतीय भाषाओं के शब्दों का समाहार कर हिन्दी का आधुनिक स्वरुप निर्मित करना होगा। हिंदी विश्व की वह विलक्षण भाषा है जिसकी शब्दावली में देश विदेश की अनेक भाषाओं के शब्द सहज और स्वाभाविक रूप से न केवल प्रचलित रहे हैं, बल्कि उन्हें हिंदी ने अपना मान लिया है। उन्होंने कहा कि संज्ञा और विशेषण के रूप में जब इन शब्दों का प्रयोग किया जाता है और क्रियापद हिंदी का रहता है, तब उसकी छटा देखते ही बनती है। हिंदी की इसी समाहार शक्ति ने इसके स्वरूप को विस्तृत फलक पर स्थापित किया है।

आज हिंदी में देशज और विदेशज शब्दों की बहुत बड़ी संख्या है। फारसी,अरबी, अंग्रेजी, पुर्तगाली, फ्रेंच भाषा के अनेक शब्द हमारे दैनिक जीवन के व्यवहार में है, साथ ही भारतीय भाषाओं की शब्दावली भी हिंदी के कैनवास को बहुरंगी बना रही है। इसी कारण यह सभी के लिए आकर्षण का केंद्र और सर्व स्वीकार्य बनती जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाहार शक्ति का यह आशय नहीं कि हिंदी के मौलिक शब्दों के स्थान पर जानबूझकर विदेशी शब्दावली का प्रयोग कर इसके स्वरूप को विकृत करें, जो शब्द स्वाभाविक रूप से प्रचलन में है,उनका प्रयोग तो ठीक है, परंतु अनावश्यक रूप से इसके स्वरूप से छेड़छाड़ करने से हिंदी का मूल रूप विचलित हो सकता है। यह सावधानी भी हिंदी भाषा के प्रयोक्ताओं को रखनी होगी।

समारोह के अध्यक्ष उपखंड अधिकारी चंद्रशेखर भंडारी ने कहा कि हिंदी पूरे भारत को जोड़ सकती है आज यह संपर्क के रूप में एकमात्र भारतीय भाषा है इसका अपना वैज्ञानिक मानक स्वरूप है ,वैज्ञानिक लिपि है और इसकी क्षमता विश्व के किसी भी भाषा से कम नहीं है। अपनी समाहार शक्ति के बल पर यह भाषा सभी के साथ समन्वय स्थापित करने की क्षमता रखती है।

समारोह में निबंध तथा स्वरचित कविता लेखन के विजेताओं को अतिथियों ने प्रशंसा पत्र एवं पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संयोजन प्रधानाचार्य अनिल सोमानी ने किया। आभार डॉ. कमल नाहर ने ज्ञापित किया। समारोह में आयोजन समिति से जुड़े हुए प्रवीण जोशी, अरविंद मूंदड़ा, अरविंद भारद्वाज, नरेश बंबोरिया सहित उपखंड क्षेत्र के हिंदी विषय के अध्यापक एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

परिचर्चा:
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस
20 फरवरी, 2021

=======

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की पूर्व संध्या पर डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निम्बाहेड़ा के हिंदी विभाग द्वारा 'मातृभाषा की सांस्कृतिक महत्ता' विषय पर परिचर्चा का आयोजन प्राचार्य डॉ. कमल नाहर की अध्यक्षता में किया गया। परिचर्चा के संयोजक डॉ राजेंद्र सिंघवी ने विषय की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि भाषा केवल संवाद का ही माध्यम नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक पहचान का भी प्रमुख स्रोत है। मातृभाषा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है, इसीलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्राथमिक शिक्षा को मातृभाषा में दिए जाने पर बल दिया है।

भारत की भाषायी विविधता की चर्चा करते हुए प्रो. भगवान साहू ने बताया कि हमारा देश भाषा की दृष्टि से भी विविधताओं से भरा हुआ है, इसीलिए यह सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बना है। हमारी जागरूकता के अभाव में कई भारतीय बोलियों का अस्तित्व संकट में है। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. नाहर ने कहा कि हमारी आंचलिक बोली मेवाड़ी के माध्यम से व्यक्त किए गए विचार जितने सार्थक होते हैं, उतनी गंभीरता से दूसरी भाषा में नहीं हो सकते। हमें सभी भाषाओं से प्रेम करना चाहिए, किंतु अपनी भाषा को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस अवसर पर टीना सेन, पीयूष टेलर, सुमन टांक, मंजु गायरी, पुष्कर वैरागी, अलवीना गोरी, छात्रसंघ उपाध्यक्ष विक्रम अहीर सहित विद्यार्थियों ने परिचर्चा में भाग लिया।

प्रवेश सूची 2020-21

Student Name	Father Name	Class	Category Name
ANGOORBALA MEGHWAL	ROSHAN LAL	M.A. (P) Hindi	SC
ANGURBALA GURJAR	MOHAN LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
ANITA REGAR	PRAKESH REGAR	M.A. (P) Hindi	SC
ANITA SUTHAR	MOHAN LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
ARJUN KUMAWAT	PRAHALAD KUMAWAT	M.A. (P) Hindi	OBC
ASHOK KUMAR GAYRI	RAM NARAYAN GAYARI	M.A. (P) Hindi	OBC
CHANDA GAMETI	MOHAN LAL GAMETI	M.A. (P) Hindi	ST
GATATRI KUMARI REGAR	CHUNNI LAL	M.A. (P) Hindi	SC
GAYATRI KANKER	BHERU AL KANKER	M.A. (P) Hindi	OBC
HITESH KUMAR BHAMBI	RATAN LAL	M.A. (P) Hindi	SC
INDRA NAYAK	NANA LAL NAYAK	M.A. (P) Hindi	SC
JAGDISH NATH YOGI	MOHAN NATH YOGI	M.A. (P) Hindi	OBC
JAIMALA PATIDAR	KAMLA SHANKAR	M.A. (P) Hindi	OBC
JAYSHREE CHOUHAN	RAJMAL CHOUHAN	M.A. (P) Hindi	SC
KALI ARWAR	GORDHAN LAL	M.A. (P) Hindi	SC
KALPANA KHATIK	BHERULAL KHATIK	M.A. (P) Hindi	SC
KANCHAN KUMARI DHAKAR	BALU LAL	M.A. (P) Hindi	OBC

KANHEYA LAL GAYRI	KHEM RAJ GAYRI	M.A. (P) Hindi	OBC
KISHAN LAL MEENA	BHANWAR LAL MEENA	M.A. (P) Hindi	ST
KOUSHLYA DHAKER	NIRBHAY RAM	M.A. (P) Hindi	OBC
krishna kumari dhaker	babu lal dhaker	M.A. (P) Hindi	OBC
LAKSHMI LAL PURBIYA	CHAND MAL PURBIYA	M.A. (P) Hindi	OBC
LALITA MEGHWAL	PRABHULAL MEGHWAL	M.A. (P) Hindi	SC
LAXMI KUMARI MEENA	DEVI LAL	M.A. (P) Hindi	ST
LEELA GAYARI	LAXMINARAYAN	M.A. (P) Hindi	OBC
LEELA KUMARI MEENA	UDAI SINGH	M.A. (P) Hindi	ST
MADHU MEENA	NAND LAL	M.A. (P) Hindi	ST
MONIKA KUMARI PATIDAR	NARENDRA KUMAR PATIDAR	M.A. (P) Hindi	OBC
NAINA KUMARI BHAMBI	MANMAL BHAMBI	M.A. (P) Hindi	SC
OJASVINI KHICHI	MUKESH KHICHI	M.A. (P) Hindi	OBC
PALLAVI TAILOR	KAMLESH	M.A. (P) Hindi	OBC
POOJA KHATIK	SATYA NARAYAN KHATIK	M.A. (P) Hindi	SC
POOJA REGAR	RATAN LAL	M.A. (P) Hindi	SC
POOJA SUTHAR	SHYAM LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
POORAN MEENA	BHANWAR LAL MEENA	M.A. (P) Hindi	ST
PRAMILA DHAKER	PRABHU LAL DHAKER	M.A. (P) Hindi	OBC
PRAMILA DHAKER	RADHESHYAM DHAKER	M.A. (P) Hindi	OBC
PRIYANKA KUMARI GARG	BABU LAL GARG	M.A. (P) Hindi	OBC
RADHA KUMARI REGAR	CHUNNI LAL REGAR	M.A. (P) Hindi	SC
RAJA MANGRANI	RAMESH CHANDRA MANGRANI	M.A. (P) Hindi	General
RAM LAL BHEEL	HEM RAJ BHEEL	M.A. (P) Hindi	ST
RANU SUTHAR	BAGDI RAM SUTHAR	M.A. (P) Hindi	OBC
RATAN LAL BHEEL	BAGDI RAM BHEEL	M.A. (P) Hindi	ST
RIZWANA MANSURI	HAKEEM MOHAMMAD	M.A. (P) Hindi	OBC
SAMANDAR BANJARA	SURAJ MAL	M.A. (P) Hindi	OBC
SAYDA BEE	ABID KHAN	M.A. (P) Hindi	General
SHAILI NAHAR	LALIT NAHAR	M.A. (P) Hindi	General
SHANU SUTHAR	JAMNALAL SUTHAR	M.A. (P) Hindi	OBC
SHEELA JAT	BABU LAL JAT	M.A. (P) Hindi	OBC
sonu sen	om prakash	M.A. (P) Hindi	OBC
SUKHEE JATIYA	CHAGAN LAL	M.A. (P) Hindi	SC
SUNIL GAYARI	KHEMRAJ GAYARI	M.A. (P) Hindi	OBC
SUNITA BAIRAGI	BABU BAIRAGI	M.A. (P) Hindi	OBC
TEENA KHINCHI	MUKESH KHINCHI	M.A. (P) Hindi	OBC
TULSI REGAR	PRAKASH CHANDRA REGAR	M.A. (P) Hindi	SC
UMA KUMARI LUHAR	ONKAR LAL LUHAR	M.A. (P) Hindi	OBC
USHA MALI	JHAMKA LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
VANDANA GUJAR	MOHAN LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
VARSHA BALAI	BHANWAR LAL	M.A. (P) Hindi	SC

Vinod Kumar Meena	Karu lal Meena	M.A. (P) Hindi	ST
MONIKA SHARMA	SURESH SHARMA	M.A. (F) Hindi	General
PURAN MAL SHARMA	OM PRAKASH SHARMA	M.A. (F) Hindi	General
BABALI KUMAWAT	KARU LAL KUMAWAT	M.A. (F) Hindi	OBC
BHARAT KUMAR DHAKER	AMRATRAM DHAKER	M.A. (F) Hindi	OBC
BHAWANA CHARAN	GUMAN LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
DILEEP DARJEE	PARAS MAL	M.A. (F) Hindi	OBC
JYOTI SONI	GOPAL SONI	M.A. (F) Hindi	OBC
KAVITA KUMARI DHAKER	MITTHU LAL DHAKER	M.A. (F) Hindi	OBC
KRISHANA KUMARI DHAKAR	PRABHU LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
MAMTA CHARAN	HEMRAJ	M.A. (F) Hindi	OBC
MAMTA PURBIYA	BHERU LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
MUSKAN MANSURI	FAKHRUDDIN MANSURI	M.A. (F) Hindi	OBC
NIKITA TAK	JAGDISH CHANDRA	M.A. (F) Hindi	OBC
nisha keer	narayan lal keer	M.A. (F) Hindi	OBC
OMA SUTHAR	MANGI LAL SUTHAR	M.A. (F) Hindi	OBC
PAYAL SUTHAR	SURESH CHANDRA SUTHAR	M.A. (F) Hindi	OBC
PAYAL VAISHNAV	GOPAL DAS	M.A. (F) Hindi	OBC
PINKI PATIDAR	DEVI LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
POOJA KUMARI PATIDAR	BABU LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
PRAVEENA SUTHAR	KASARI MAL SUTHAR	M.A. (F) Hindi	OBC
PREM KUMARI JAT	LAL CHAND	M.A. (F) Hindi	OBC
PRIYANKA PATIDAR	CHAMPA LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
PUSHPA CHARAN	RAM CHANDRA CHARAN	M.A. (F) Hindi	OBC
TEENA KUMARI PRAJAPAT	DINESH CHAND	M.A. (F) Hindi	OBC
VISHNA DHAKER	OM PRAKASH	M.A. (F) Hindi	OBC
laxmi gayri	bhag chand	M.A. (F) Hindi	OBC
MAMATA GURJAR	BHERU LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
PINKY GAYARI	RADHEY SHYAM	M.A. (F) Hindi	OBC
RAVINA GAYARI	RAM LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
SUMITRA KUMARI GAYARI	BHERU LAL GAYARI	M.A. (F) Hindi	OBC
UNKAR LAL GURJAR	BHERU LAL GURJAR	M.A. (F) Hindi	OBC
ANITA REGAR	RAMESHWAR REGAR	M.A. (F) Hindi	SC
ARJUN MALVI	JAGDISH CHANDRA	M.A. (F) Hindi	SC
DIVYA NAGORA	AMAR CHAND	M.A. (F) Hindi	SC
KANHAIYA LAL NAYAK	PRABHU LAL NAYAK	M.A. (F) Hindi	SC
KAVITA JAYSAWAR	RAJKUMAR JAYSAWAR	M.A. (F) Hindi	SC
KHUSHBOO BILWAL	RATAN LAL BILWAL	M.A. (F) Hindi	SC
KIRAN MEGHWAL	MOTI LAL	M.A. (F) Hindi	SC
KISHAN LAL MEGHWAL	SHYAM LAL MEGHWAL	M.A. (F) Hindi	SC
LATA JAISWAR	RAJKUMAR JAISWAR	M.A. (F) Hindi	SC
livika bairwa	chiranjilal bairwa	M.A. (F) Hindi	SC
PINKI KUMARI SALVI	ASHOK SALVI	M.A. (F) Hindi	SC

POOJA HARIJAN	NARAYAN LAL HARIJAN	M.A. (F) Hindi	SC
POOJA KHATIK	KALURAM	M.A. (F) Hindi	SC
SAPNA SALVI	DEVI LAL SALVI	M.A. (F) Hindi	SC
SEEMA MEGHWAL	MANOHAR MEGHWAL	M.A. (F) Hindi	SC
SUGANA MEGHWAL	DEVI LAL	M.A. (F) Hindi	SC
KALI KUMARI BHEEL	UDAI LAL BHEEL	M.A. (F) Hindi	ST
POOJA BHEEL	ARVIND KUMAR BHEEL	M.A. (F) Hindi	ST
Suman Rawat	Heera Lal Rawat	M.A. (F) Hindi	ST

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निम्बाहेड़ा

हिन्दी विभाग

प्रतिवेदन

सत्र: 2019-20

साहित्य मंच : गांधी और हिन्दी

02 अक्टूबर,2019

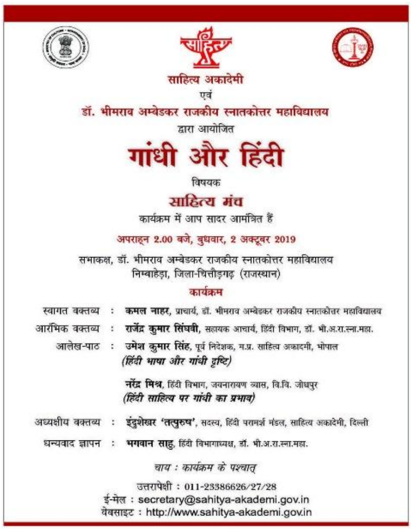

साहित्य अकादेमी

एवं

डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

द्वारा आयोजित

गांधी और हिंदी

विषयक

साहित्य मंच

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं

अपराह्न 2.00 बजे, बुधवार, 2 अक्टूबर 2019

सभाकक्ष, डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
निम्बाहेड़ा, जिला-चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)

कार्यक्रम

स्वागत वक्तव्य : **कमल नाहर**, प्राचार्य, डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

आरंभिक वक्तव्य : **राजेंद्र कुमार सिंघवी**, सहायक आचार्य, हिंदी विभाग, डॉ. भी.अ.रा.स्ना.महा.

आलेख-पाठ : **उमेश कुमार सिंह**, पूर्व निदेशक, म.प्र. साहित्य अकादमी, भोपाल
(हिंदी भाषा और गांधी दृष्टि)

नरेंद्र मिश्र, हिंदी विभाग, जयनारायण व्यास, वि.वि. जोधपुर
(हिंदी साहित्य पर गांधी का प्रभाव)

अध्यक्षीय वक्तव्य : **इंदुशेखर 'तत्पुरुष'**, सदस्य, हिंदी परामर्श मंडल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

धन्यवाद ज्ञापन : **भगवान साहु**, हिंदी विभागाध्यक्ष, डॉ. भी.अ.रा.स्ना.महा.

चाय : कार्यक्रम के पश्चात्

उत्तरापेक्षी : 011-23386626/27/28
ई-मेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in
वेबसाइट : http://www.sahitya-akademi.gov.in

साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली और हिंदी विभाग डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निंबाहेड़ा (राजस्थान) के संयुक्त तत्त्वावधान में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 'गांधी और हिंदी' विषयक साहित्य-मंच का आयोजन दिनांक 2 अक्टूबर,2019 को अपराह्न 2:00 बजे महाविद्यालय सभाकक्ष में किया गया।समारोह के अध्यक्ष डॉ.इंदु शेखर तत्पुरुष,सदस्य, हिंदी परामर्श मंडल साहित्य अकादेमी,नई दिल्ली, मुख्य अतिथि डॉ.उमेश कुमार सिंह,पूर्व निदेशक मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी, भोपाल, विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेंद्र मिश्र, सह आचार्य ,हिंदी विभाग,जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर तथा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कमल नाहर ने मां सरस्वती की प्रतिमा एवं महात्मा गांधी के छवि चित्र पर माल्यार्पण के साथ दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.कमल नाहर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि साहित्य अकादमी ने हिंदी जगत के प्रतिष्ठित विद्वानों के विचारों का अवगाहन करने का महाविद्यालय को परम अवसर दिया है ।साहित्य मंच के माध्यम से 'गांधी और हिंदी' को समझने का हमारे पास आज बेहतर अवसर है। साहित्य मंच के आयोजन सचिव डॉ. राजेंद्र कुमार सिंघवी अपने

आरंभिक वक्तव्य में विषय की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए कहा कि गांधीजी का मूल्यांकन हिंदी भाषा और साहित्य के आलोक में करना कार्यक्रम के आयोजन का अभीष्ट है। हिंदी भाषा और लिपि के प्रति गांधीजी का दृष्टिकोण, यथार्थपरक विवेचना तथा तत्कालीन परिस्थितियों में प्रासंगिकता का मूल्यांकन अपेक्षित है।इसी तरह हिंदी साहित्य की विविध विधाओं पर गांधी जी के दर्शन का प्रभाव किस सीमा तक पड़ा, उसकी विशद विवेचना साहित्य मंच के इस आयोजन का उद्देश्य है ।उद्देश्य की प्रतिपूर्ति होगी,ऐसी आशा है।

डॉ. उमेश कुमार सिंह ने 'हिंदी भाषा और गांधी दृष्टि' विषय पर अपने आलेख पाठ में हिंदी भाषा के स्वरूप के प्रति गांधीजी के मंतव्य, राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति गांधी जी जी के विचार तथा स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने अनेक उद्धरणों के साथ राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति महात्मा गांधी के विचारों को प्रकट किया। डॉ.सिंह के अनुसार गांधी यद्यपि भाषा वैज्ञानिक नहीं थे,परंतु भारत की आत्मा के लिए उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में सर्वाधिक उपयुक्त माना। इसी कारण हिंदी ने देश की एकता को सूत्र में बांधकर विदेशी शक्तियों से लोहा लिया।

डॉ. नरेंद्र मिश्र ने 'हिंदी साहित्य पर गांधी के प्रभाव' की विवेचना करते हुए बताया कि बीसवीं शताब्दी के आरंभ से आजादी और उसके बाद तक हिंदी काव्य और गद्य साहित्य पर गांधीजी के विचार छाए रहे, जिसके परिणामस्वरूप हिंदी काव्य की राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा समृद्ध हुई । हिन्दी के अनेक साहित्यकार गांधीजी से प्रभावित होकर देश की आज़ादी के लिए जनता को जागृत करने में लग गए । कथा साहित्य में प्रेमचंद और जैनेंद्र ने गांधी के विचारों को मूर्त रूप देते हुए समाज सुधार की और विशिष्ट कार्य किया। उन्होंने हिंदी साहित्य में गांधी से प्रभावित विभिन्न साहित्यिक कृतियों की कृतियों की चर्चा भी की।

अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉ. इंदु शेखर तत्पुरुष ने ने गांधी और हिंदी दोनों को एक-दूसरे का पर्याय बताया। उनकी दृष्टि में हिंदी के गौरव को गांधी ने सदैव स्वीकार किया । दक्षिण भारत में हिंदी प्रचार सभा की स्थापना और उसके लिए सार्थक प्रयास करने की दृष्टि से उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। गांधी की भाषा में आंतरिक विनय हमेशा रहा , जो कि वर्तमान समय में भाषायी विनम्रता का संदेश प्रदान करता है।गांधी के विचार साहित्य में आज भी प्रासंगिक बने हुए हैं ।

आलेख पाठ के पश्चात पश्चात के पश्चात उपस्थित श्रोताओं ने संवाद परिचर्चा में भाग लिया और कई प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। मंच की ओर से अनेक नई जानकारियां प्रदान की गई। आभार प्रो. भगवान साहू ने ज्ञापित किया ज्ञापित किया ने ज्ञापित किया। साहित्य मंच के

आयोजन में चित्तौड़गढ़ जिले के अनेक साहित्य प्रेमी, शोधार्थी, नगर के गणमान्य नागरिक एवं महाविद्यालय संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

-डॉ.राजेन्द्र कुमार सिंघवी
आयोजन सचिव

<u>छवि चित्र</u>

डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष

डॉ. उमेश कुमार सिंह

सभाकक्ष

डॉ. नरेन्द्र मिश्र

संवाद एवं परिचर्चा

प्रवेश सूची 2019-20

Student Name	Father Name	Class	Category Name
ARJUN MALVI	JAGDISH CHANDRA	M.A. (P) Hindi	SC
BABALI KUMAWAT	KARU LAL KUMAWAT	M.A. (P) Hindi	OBC
BHARAT KUMAR DHAKER	AMRATRAM DHAKER	M.A. (P) Hindi	OBC
BHAWANA CHARAN	GUMAN LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
DILEEP DARJEE	PARAS MAL	M.A. (P) Hindi	OBC
DIVYA NAGORA	AMAR CHAND	M.A. (P) Hindi	SC
DURGA KUMARI MEENA	NARAYAN SINGH MEENA	M.A. (P) Hindi	ST
JYOTI SONI	GOPAL SONI	M.A. (P) Hindi	OBC
KALI KUMARI BHEEL	UDAI LAL BHEEL	M.A. (P) Hindi	ST
KANHAIYA LAL NAYAK	PRABHU LAL NAYAK	M.A. (P) Hindi	SC
KAVITA JAYSAWAR	RAJKUMAR JAYSAWAR	M.A. (P) Hindi	SC
KAVITA KUMARI DHAKER	MITTHU LAL DHAKER	M.A. (P) Hindi	OBC
KHUSHBOO BILWAL	RATAN LAL BILWAL	M.A. (P) Hindi	SC
KIRAN MEGHWAL	MOTI LAL	M.A. (P) Hindi	SC
KRISHANA KUMARI DHAKAR	PRABHU LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
KRISHNA DHAKER	OM PRAKASH	M.A. (P) Hindi	OBC
LATA JAISWAR	RAJKUMAR JAISWAR	M.A. (P) Hindi	SC

laxmi gayri	bhag chand	M.A. (P) Hindi	OBC
livika bairwa	chiranjilal bairwa	M.A. (P) Hindi	SC
MAMATA GURJAR	BHERU LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
MAMTA CHARAN	HEMRAJ	M.A. (P) Hindi	OBC
MAMTA PURBIYA	BHERU LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
MANOHAR LAL GAMETI	BAGDIRAM GAMETI	M.A. (P) Hindi	ST
MONIKA SHARMA	SURESH SHARMA	M.A. (P) Hindi	General
MUSKAN MANSURI	FAKHRUDDIN MANSURI	M.A. (P) Hindi	OBC
nisha keer	narayan lal keer	M.A. (P) Hindi	OBC
OMA SUTHAR	MANGI LAL SUTHAR	M.A. (P) Hindi	OBC
PAYAL SUTHAR	SURESH CHANDRA SUTHAR	M.A. (P) Hindi	OBC
PAYAL VAISHNAV	GOPAL DAS	M.A. (P) Hindi	OBC
PINKI PATIDAR	DEVI LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
PINKY GAYARI	RADHEY SHYAM	M.A. (P) Hindi	OBC
POOJA ASTOLIYA	GOVIND ASTOLIYA	M.A. (P) Hindi	OBC
POOJA BHEEL	ARVIND KUMAR BHEEL	M.A. (P) Hindi	ST
POOJA HARIJAN	NARAYAN LAL HARIJAN	M.A. (P) Hindi	SC
POOJA KHATIK	KALURAM	M.A. (P) Hindi	SC
POOJA KUMARI PATIDAR	BABU LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
PRAVEENA SUTHAR	KASARI MAL SUTHAR	M.A. (P) Hindi	OBC
PREM KUMARI JAT	LAL CHAND	M.A. (P) Hindi	OBC
PRITI JAJPURA	KHEMRAJ	M.A. (P) Hindi	OBC
PRIYANKA PATIDAR	CHAMPA LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
PURAN MAL SHARMA	OM PRAKASH SHARMA	M.A. (P) Hindi	General
PUSHPA CHARAN	RAM CHANDRA CHARAN	M.A. (P) Hindi	OBC
RAVINA GAYARI	RAM LAL	M.A. (P) Hindi	OBC
RAVINA MEENA	RAMPRASAD MEENA	M.A. (P) Hindi	ST
SAPNA SALVI	DEVI LAL SALVI	M.A. (P) Hindi	SC
SEEMA MEGHWAL	MANOHAR MEGHWAL	M.A. (P) Hindi	SC
SEEMA SHARMA	DASHRATH SHARMA	M.A. (P) Hindi	General
SITARAM MEENA	mangi lal	M.A. (P) Hindi	ST
SUGANA MEGHWAL	DEVI LAL	M.A. (P) Hindi	SC
Suman Rawat	Heera Lal Rawat	M.A. (P) Hindi	ST
SUMITRA KUMARI GAYARI	BHERU LAL GAYARI	M.A. (P) Hindi	OBC
UNKAR LAL GURJAR	BHERU LAL GURJAR	M.A. (P) Hindi	OBC
VISHNA DHAKER	OM PRAKASH	M.A. (P) Hindi	OBC
ABHILASHA KUMARI ANJANA	CHHAGAN LAL ANJANA	M.A. (F) Hindi	OBC
ANAMIKA CHOUDHARY	LEHARU LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
ANITA MALVIYA	RAJENDRA KUMAR	M.A. (F) Hindi	SC
ANITA PATIDAR	SUJANMAL	M.A. (F) Hindi	OBC
ARJUN LAL RAWAT	JAGDISH CHANDRA	M.A. (F) Hindi	ST
ARTI MALI	NARENDRA MALI	M.A. (F) Hindi	OBC
ASHVIN SONI	MAHESH SONI	M.A. (F) Hindi	OBC

ASMA NILGAR	RAFIK PAINTER	M.A. (F) Hindi	OBC
BANTI LAL DHOBI	RAMESH CHANDRA DHOBI	M.A. (F) Hindi	SC
BHOLE SHANKAR JATIYA	LAXMAN LAL	M.A. (F) Hindi	SC
CHANDA KUMARI DHAKAR	BHERU LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
DEVKANYA BUGGER	BIHARI BUGGER	M.A. (F) Hindi	OBC
DEVKANYA VAISHNAV	SHANTI DAS VAISHNAV	M.A. (F) Hindi	OBC
DILIP KUMAWAT	CHAGAN LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
DURGA KUMARI JANAWA	UNKAR LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
GAYATRI KUMARI MEGHWAL	PRABHU LAL	M.A. (F) Hindi	SC
GAYATRI KUMARI NAYAK	NARAYAN LAL NAYAK	M.A. (F) Hindi	SC
JASHODA MEENA	SHANTI LAL MEENA	M.A. (F) Hindi	ST
KARISHMA SHARMA	CHANDRA SHEKHAR SHARMA	M.A. (F) Hindi	General
KIRAN KUMARI JAT	RAM GOPAL JAT	M.A. (F) Hindi	OBC
KRISHNA KUMARI DHAKER	BANSHI LAL DHAKER	M.A. (F) Hindi	OBC
LALIT SEN	RADHE SHYAM SEN	M.A. (F) Hindi	OBC
LALITA SHARMA	KAILASH CHANDRA SHARMA	M.A. (F) Hindi	General
LAXMI KUMARI DANGI	SHANTI LAL DANGI	M.A. (F) Hindi	OBC
MAINA KUMARI JANWA	MITTHU LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
MAINA KUMARI MEENA	DEVI LAL MEENA	M.A. (F) Hindi	ST
MAMTA BAI MEENA	KISHAN LAL MEENA	M.A. (F) Hindi	ST
MAMTA KUMARI MEGHWAL	BHERU LAL	M.A. (F) Hindi	SC
MANISHA JANWA	PUKHRAJ JANWA	M.A. (F) Hindi	OBC
MANISHA TELI	KISHAN TELI	M.A. (F) Hindi	OBC
Narayan Singh Meena	Dam Singh	M.A. (F) Hindi	ST
NEETU GURJAR	MANGI LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
NEHA PURBIYA	MUKESH KUMAR	M.A. (F) Hindi	General
NEHA SHARMA	SURESH CHANDER	M.A. (F) Hindi	General
NIKITA TAK	JAGDISH CHANDRA	M.A. (F) Hindi	OBC
NILAM MEGHWAL	GHISALAL	M.A. (F) Hindi	SC
NISHA PATIDAR	MOHAN LAL PALIWAL	M.A. (F) Hindi	General
POOJA BAIRAGI	PURAN MAL BAIRAGI	M.A. (F) Hindi	OBC
POOJA DHAKAR	GHANSHYAM	M.A. (F) Hindi	OBC
POOJA KUMARI NAGOURA	AMAR CHANDRA	M.A. (F) Hindi	SC
POOJA SALVI	RAM CHANDRA SALVI	M.A. (F) Hindi	SC
POOJA VAISHNAV	KUSHAL	M.A. (F) Hindi	OBC
RANI MEENA	RAMGOPAL MEENA	M.A. (F) Hindi	ST
REKHA JANWA	ASHOK	M.A. (F) Hindi	OBC
REKHA KUMARI LOHAR	RANG LAL LOHAR	M.A. (F) Hindi	OBC
RINKU SHAKTAWAT	JASWANT SINGH SHAKTAWAT	M.A. (F) Hindi	General
SAKUNTALA JANWA	GOPAL LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
SANGEETA JAT	OM PRAKASH	M.A. (F) Hindi	OBC
SANGEETA KUMARI REGAR	GOPILAL REGAR	M.A. (F) Hindi	SC

SAPNA BALAI	UNKARLAL BALAI	M.A. (F) Hindi	SC
SARITA KUMAWAT	LAL CHAND	M.A. (F) Hindi	OBC
SAVITA KUMARI DHAKER	RAMESHWER LAL DHAKER	M.A. (F) Hindi	OBC
SHANTI MEENA	GOPAL MEENA	M.A. (F) Hindi	ST
SHUBHAM DHAKER	SHANTI LAL DHAKER	M.A. (F) Hindi	OBC
SONA LOHAR	DINESH LOHAR	M.A. (F) Hindi	OBC
SUGNA MEENA	RAMGOPAL MEENA	M.A. (F) Hindi	ST
SUMITRA PATIDAR	GOPAL LAL	M.A. (F) Hindi	OBC
SUNITA KUMARI DHAKER	BABU LAL DHAKER	M.A. (F) Hindi	OBC
VISHANU MEENA	SHAYAM LAL MEENA	M.A. (F) Hindi	ST
YASHODA MENARIA	RAJ MAL MENARIA	M.A. (F) Hindi	General